सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 114 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 28 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास को हमेशा तर्क से तौलना चाहिए। जब विश्वास अंधा हो जाता है तो मर जाता है।

-महात्मा गांधी

बेंगलुरु ने बनाई शीर्ष-दो में... 7 | यूपी-बिहार में फिर सियासी... 3 | कदाचार करने वालों के साथ... 2

अप्रवासी भारतीयों के लिए अमेरिका में रहने का माहौल नहीं!

छोटी-छोटी गलतियां बन रही हैं वीजा कैंसिल होने का आधार

कांग्रेस समेत विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा

» मोदी सरकार की अमेरिकी कूटनीति सिर्फ जनसभाओं तक सीमित

» नहीं बदल रहा रवैया, दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं भारतीय छात्रों की मुसीबतें

» वैध वीजा धारकों को भी अधिक जांच और अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका में जाकर पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए वहां का महौल चिंताजनक है और पल-पल बदल रहा है। अमेरिका में माहौल अप्रवासी विरोधी हो गया है। किसी भी अप्रवासी चाहे वह छात्र हो या एच1बी तकनीकी कर्मचारी उन्हें संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। खासकर राजनीतिक गतिविधियों या प्रदर्शनों में शामिल छात्रों की विशेष जांच की जा रही है।

यहां तक कि यातायात उल्लंघन जैसे मामूली उल्लंघनों को भी वीजा रद्द करने के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्ष 2023 से अमेरिका में अप्रवासी भारतीय छात्रों की हालत बिगड़नी शुरू हुई जो अब चरम पर पहुंच चुकी है। छोटी-छोटी तकनीकी त्रुटियां जैसे क्लास में उपस्थिति में कमी, जॉब ट्रेनिंग में मामूली नियम उल्लंघन, या कॉलेज से बाहर रहने की अवधि अब वीजा रद्द होने का कारण बन रही हैं। कई छात्रों को बिना चेतावनी डिपोर्ट किया जा रहा है। वहीं इस मामले पर कांग्रेस समेत सभी विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार को घेर लिया है।

पहचान के लिए संघर्ष कर रहे भारतीय छात्र

भारतीय छात्र अब सिर्फ कक्षा में नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में हेट-क्राइम, नस्लीय टिप्पणियाँ, और स्थानीय छात्र-समुदायों से दूरी की खबरें लगातार आ रही हैं। सिख, मुस्लिम, और दक्षिण भारतीय छात्रों को विशेष रूप से टारगेट किया जा रहा है। यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट की कार्रवाईयाँ पहले की तुलना में कहीं अधिक कठोर हो गई हैं। भारत से गए छात्रों को एयरपोर्ट पर रोका जा रहा है। उनसे घंटों पूछताछ हो रही है और कभी-कभी बिना उचित कानूनी सहारे के वापस भेजा जा रहा है। ऐसा लगता है जैसे अब निष्कासन पहले न्याय बाद में की नीति चल रही है।

ब्रेन ड्रेन से ब्रेन पेन तक का सफर

एक दौर था जब भारत के सबसे प्रतिभाशाली छात्र अमेरिका जाते थे वहाँ की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते थे और भारत के लिए प्रवासी पूंजी और वैश्विक पहचान बनते थे। परंतु अब वही छात्र डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। यह ट्रेंड केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं बल्कि भारत की समग्र वैश्विक साख पर भी असर डाल रहा है। जब एक आईटी इंजीनियर या शोधार्थी को बिना उचित कारण डिपोर्ट किया जाता है तो उससे अमेरिका को नहीं बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को भी चोट पहुँचती है। भारत जो खुद को विकसित देश बनने की राह पर बता रहा है वह अपने युवाओं की वैश्विक चुनौतियों से कैसे मुँह मोड़ सकता है?

भारतीयों पर भारी पड़ रहा अमेरिका फर्स्ट

अमेरिका फर्स्ट अब सिर्फ चीन या मेक्सिको पर नहीं बल्कि भारतीयों पर भी लागू हो रहा है। ट्रंप समर्थक लॉबी मानती है कि भारतीय छात्र अमेरिकी जॉब मार्केट पर बोझ हैं। विदेश नीति एक्सपर्ट रोबिंदर सचदेव के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसी दोस्ताना सार्वजनिक सभाएं चर्चा में रहीं लेकिन यह दोस्तीभारतीय छात्रों की सुरक्षा की गारंटी नहीं बन पाई। भारतीय विदेश मंत्रालय कई बार औपचारिक विरोध दर्ज कर चुका है, पर अमेरिका का रवैया मुश्किल से ही बदला है। इससे सवाल उठता है कि क्या मोदी सरकार की अमेरिकी कूटनीति सिर्फ जनसभाओं तक सीमित है?

सामूहिक निर्वासन के बाद आयी है तेजी

इस तरह की कर्रवाईयां इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सरकार द्वारा किए गए कई सामूहिक निर्वासन अभियानों के बाद तेज हुयी हैं। विदेशी छात्रों के बीच बढ़ती आशंका अमेरिकी आव्रजन नीति में व्यापक बदलाव को दर्शाती है जहां अब वैध वीजा धारकों को भी देश में अपने भविष्य के बारे में अधिक जांच और अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति चिंताजनक

विदेशी मामलो के जानकार रोबिन सचदेवा कहते हैं कि सरकार की तरफ से विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से जुड़े किसी भी आरोप या चिंता की खबर की रिपोर्ट मंत्रालय को करें। सचदेव कहते हैं कि जिन छात्रों पर मामूली आरोप भी लगे हैं उन्हें चिह्नित किया जा रहा है। प्रशासन ऐसी परिस्थितियों में आक्रामक तरीके से वीजा रद्द कर रहा है। इससे अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए मौजूदा माहौल बहुत परेशान करने वाला हो गया है।

ट्रंप प्रशासन के इस दावे पर अपनी चुप्पी तोड़ें पीएम मोदी : जयराम

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे ट्रंप प्रशासन के इस दावे पर अपनी चुप्पी तोड़ें कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कैसे हुआ। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि क्या यह सच है कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई, 2025 को न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर बयान दर्ज कराया था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच अस्थिर युद्ध विराम कराने और नाजुक शांति लाने के लिए अपनी टैरिफ शक्ति का इस्तेमाल किया? उन्होंने आगे लिखा कि हावर्ड लुटनिक वही बात दोहरा रहे हैं जो खुद राष्ट्रपति ट्रंप 11 दिनों में 3 अलग-अलग देशों में 8 बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसी तरह का बयान देते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए एक न्यूट्रल साइट का जिक्र किया है। मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने लिखा प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ो!

कदाचार करने वालों के साथ है भाजपा : अखिलेश यादव

» हरकतों का उजागर करने वालों को बीजपी कर रही परेशान

» हाइवे पर महिला से संबंध बनाने वाले नेता पर बरसे सपा प्रमुख साधा भाजपा पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता से जुड़े अश्लील वीडियो लीक मामले में, क्लिप को सार्वजनिक करने वालों को कथित तौर पर दंडित करने को लेकर मंगलवार को सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा। सपा अध्यक्ष ने भाजपा नेता मनोहर धाकड़ से जुड़े एक विवादास्पद वीडियो क्लिप को कथित रूप से लीक करने के आरोप में तीन कर्मचारियों को बर्खास्त किए जाने की खबरों पर 'एक्स' पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा उसके कदाचार को उजागर करने वालों को निशाना बना रही है। मध्य प्रदेश के मंदसौर के स्थानीय राजनीतिक नेता से जुड़ा कथित वीडियो शनिवार को वायरल हो गया, जिससे राजनीतिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा शुरू हो गई। आपको बता दें कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद फुटेज में कथित तौर पर नेता सड़क पर एक कार के बाहर एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे हैं, और अश्लील हरकत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो के तेजी से प्रसारित होने के बाद, पुलिस ने अपराध का स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया।

भाजपा के कट्टर से कट्टर समर्थक भी बेहद शर्मिंदा

यादव ने कहा, दरअसल भाजपाई ऐसी कार्रवाई करके उन लोगों को धमकाना चाहते हैं जो उनके कुकृत्यों का भंडाफोड़ कर रहे हैं। भाजपा के कट्टर से कट्टर समर्थक भी इसके लिए बेहद-बेहद शर्मिंदा होंगे। भाजपाइयों के कांड जैसे-जैसे खुलते जा रहे हैं उनके समर्थकों के सिर वैसे-वैसे झुकते जा रहे हैं।

जो अपने पिता का नहीं वो किसी और का कैसे : राजभर

यूपी की राजनीति में अक्सर अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर बेहद तीखा बयान दिया है। राजभर ने कहा कि जो अपने बाप का नहीं हुआ वो किसी और का क्या होगा।ओम प्रकाश राजभर ने ये बयान आजमगढ़ में पार्टी की समीक्षा बैठक के दौरान दिया। यही नहीं राजभर ने सपा, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी पर मुस्लिम वोटों के लिए नफरत फैलाने का आरोप लगाया और पंचायत चुनाव में अकेले उतरने का ऐलान किया। दरअसल हरिऔध कला भवन में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक थी. जिसमें ओमप्रकाश राजभर सपा को लेकर बेहद नाराज दिखे।

राहुल गांधी को मिली वाराणसी कोर्ट से राहत

» भगवान राम पर की गयी टिप्पणी के खिलाफ याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी की एक अदालत ने विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी को तलब करने और इस साल अप्रैल में अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय में अपने भाषण के दौरान भगवान राम को कथित रूप से पौराणिक चरित्र कहने के लिए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता हरिशंकर पांडे ने कहा कि उनकी याचिका को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार त्रिपाठी ने खारिज कर दिया, जिन्होंने इसे गैर-स्थायी माना। अदालत ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 के प्रावधानों के अनुसार, ऐसे मामलों में केंद्र या राज्य सरकार या जिला मजिस्ट्रेट से पूर्व अनुमति अनिवार्य है।

जून के पहले सप्ताह में भोपाल आएंगे राहुल

मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए तरह-तरह के प्रयोग कर रही है साथ ही केंद्रीय नेतृत्व भी मध्य प्रदेश में जड़े मजबूत करने में जुट गया है। मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान शुरू करने जा रहा है। इसके लिए एआईसीसी से 50 आब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। इस टीम में देश के अलग-अलग राज्यों के सांसद, विधायक, पूर्व मंत्रियों को इस टीम में शामिल किया है। मध्य प्रदेश में सृजन अभियान की शुरुआत लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी करेंगे। जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी जून महीने के पहले सप्ताह भोपाल आएंगे हालांकि अभी तारीख तय नहीं हो पाई है। लेकिन एमपी कांग्रेस को राहुल गांधी की ओर से जून के पहले सप्ताह में आने की सहमति दी गई है।

भाजपा में आए यूट्यूबर कश्यप ने पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा

» पीएम मोदी पर लगाया बड़ा आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जोर शोर से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले चर्चित यूट्यूब पर मनीष कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने भाजपा नेता पर रुपये भीड़ जुटाने का आरोप लगाया है। मनीष कश्यप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया और भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्यों में जो जनसभा होती है उनमें उतनी भी नहीं होती है, जितनी बिहार में होती है।

मनीष कश्यप ने कहा कि बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज में 30 में को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा है। प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग राज्यों में सभा करते हैं लेकिन सबसे ज्यादा भीड़ बिहार में ही होती है। पीएम खुद गुजरात से आते हैं लेकिन वहां के जनसभा में भी उतनी भीड़ नहीं होती जितनी बिहार में। ऐसा ही हाल महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्यों का भी है वहां भी इतनी भी नहीं दिखती जितनी बिहार में होती है। इस भीड़ के पीछे कारण यह है कि स्थानीय नेता बसों में भर भर के दो सौ, पांच सौ और सौ रुपये का लालच देकर लोगों को इकट्ठा करते हैं। यहां इतनी भीड़ देखकर पीएम मोदी को लगता है सब चंगा है।

भोलेनाथ भी सबका इंतजार कर रहे : फारूक अब्दुल्ला

» नेकां प्रमुख ने की पर्यटकों से अपील- कृपया वापस आएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पर्यटक को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला का बड़ा बयान सामने आया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इस साल हमें उम्मीद थी कि करोड़ों लोग आएंगे और हमारे पास उन्हें ठहराने के लिए कोई जगह नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से, निर्दोष लोगों को मारने वालों ने यह नहीं देखा कि टैक्सी ड्राइवरों, होटल मालिकों, टट्टू मालिकों के साथ क्या होगा।

उन्होंने कहा कि हम भगवान द्वारा दी गई सुंदरता को बेचते हैं और जीविकोपार्जन करते हैं। जो कुछ हुआ उससे हम बहुत दुखी हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जो कुछ हुआ उसका हमें अफसोस है। उन्होंने लोगों से कहा कि कृपया वापस आएँ, हम आपका (पर्यटकों का) इंतज़ार कर रहे हैं।

भोलानाथ भी आपका इंतज़ार कर रहे हैं क्योंकि अमरनाथ यात्रा शुरू होने वाली है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पर्यटन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है और प्रशासन अब सुरक्षित एवं दुर्घटना मुक्त अमरनाथ यात्रा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन पर काफी बुरा असर पड़ा है। गर्मी के मौसम में हमारे यहां मुश्किल से ही कोई पर्यटक आता है। अब हम अमरनाथ यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि अमरनाथ यात्रा बिना किसी दुर्घटना के पूरी हो। हम चाहते हैं कि अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु अपनी यात्रा के बाद सुरक्षित और स्वस्थ वापस जाएं।

कायराना हरकतों से हम नहीं डरने वाले : उमर

उमर सरकार के कार्यकाल में यह पहली बार है जब कैबिनेट की बैठक सामान्य ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर या शीतकालीन राजधानी जम्मू से बाहर हुई है। पहलगाम क्लब को बैठक के लिए चुनने का उद्देश्य पर्यटन नगरी के निवासियों के साथ एकजुटता दिखाना है, जहां आतंकवादी हमले के बाद से पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने पहलगाम क्लब में आयोजित बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं। लिखा-आज पहलगाम में एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। यह केवल एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास नहीं था, बल्कि एक स्पष्ट संदेश था - हम आतंक के कायराना कृत्यों से भयभीत नहीं हैं। शांति के दुश्मन कभी भी हमारे संकल्प को प्रभावित नहीं कर पाएंगे। जम्मू और कश्मीर दृढ़, मजबूत और निडर है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

'भ्रामक बातें' फैला रही है भाजपा : सिद्धरमैया

» उर्दू, कन्नड़ के वित्तपोषण की बातें बकवास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उर्दू, कन्नड़ के लिए वित्तपोषण के संदर्भ में 'भ्रामक बातें' फैलाने का आरोप लगाया है। भाजपा का आरोप है कि सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली सरकार कन्नड़ की उपेक्षा कर रही है और उर्दू के लिए अधिक धन आवंटित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा के इन आरोपों को न केवल झूठ बताया बल्कि इसे सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के लिए ''जानबूझकर किया गया प्रयास'' करार दिया। उनकी यह टिप्पणी भाजपा की कर्नाटक इकाई द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह पोस्ट किए जाने के बाद आई है कि सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने 2025-26 में उर्दू को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जबकि कन्नड़ के लिए केवल 32 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।सिद्धरमैया ने एक बयान में कहा, ''कर्नाटक में भाजपा भ्रामक बातें फैला रही है कि हमारी सरकार कन्नड़ की उपेक्षा कर रही है और उर्दू का पक्ष ले रही है। यह न केवल सच्चाई से कोसों दूर है बल्कि यह सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

यूपी-बिहार में फिर सियासी भूचाल!

सपा-कांग्रेस की बढ़ती दूरी से बसपा को फायदे की आस

- सपा व कांग्रेस अलग राह पकड़ने की जुगत में
- भाजपा फिर सत्ता पर काबिज होने की फिराक में
- इमराम मसूद के बयान ने बढ़ाई सरगर्मी
- लालू ने तेजप्रताप को पार्टी से निकाल मचाया बवाल
- कांग्रेस बसपा से गठबंधन की इच्छुक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में वैसे तो विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है पर सियासी गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है। जहां भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने की चाह बता रही है। वहीं सपा 27 में अपनी सरकार की वापसी की बात कर रही है। उधर बसपा भी दो बार सीटों के लिए तरसी है इसबार पूरे दमखम से अपने को किंगमेकर की भूमिका निभाने के फिराक में लगी हैं। इन सब के बीच कांग्रेस ने भी अकेले लड़ने का मन बना लिया है। कुल मिलाकर यूपी के चारो प्रमुख दल अभी से चुनावी मोड में आने लगे हैं।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद द्वारा समाजवादी पार्टी के बजाय बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन से अधिक फायदा होने के बयान ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। कांग्रेस और सपा के साथ बसपा के नेता भी इमरान मसूद के बयान के सियासी निहितार्थ तलाशने में जुट गए हैं। जानकारों के मुताबिक कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती दूरी बसपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि बसपा कांग्रेस का हाथ आसानी से नहीं थामेगी।दरअसल, कांग्रेस और सपा के नेताओं के बीच अक्सर बयानबाजी से गठबंधन समाप्त होने की अटकलें लगती रहती हैं। लोकसभा चुनाव के बाद एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी में इजाफा भी हुआ है। लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस प्रदेश में अपने पैर मजबूती से जमाने की कवायद में जुटी है, जिसके लिए सपा से ज्यादा बसपा फायदेमंद लग रही है।

लोकसभा चुनाव कर चुके थे प्रयास

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने बसपा को भी साथ जोड़ने की असफल कोशिश की थी। हालांकि बसपा ने बीते कई चुनाव अकेले दम पर लड़ कर साफ कर दिया है कि वह किसी भी दल के साथ गठबंधन करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी सूत्रों की मानें तो बसपा आगामी पंचायत चुनाव से दूरी बनाकर रखेगी, ताकि डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत किया जा सके। बसपा सुप्रीमो मायावती पहले ही गठबंधन से पार्टी को फायदे की जगह नुकसान होने की बात कह चुकी हैं। वह अपने बयानों में कांग्रेस पर खासा हमलावर भी रहती हैं।

कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं सपा

आगामी विधानसभा चुनाव में सपा, कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि अधिकतर सीटों पर संगठन को मजबूत करने का काम हो रहा है। जो दावेदार हैं, उन्हें बूथों पर पीडीए के बीच जनाधार बढ़ाने का काम दिया गया है।सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के गठबंधन को लेकर 80-17 के बयान के बाद सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा गरम है। हालांकि अभी चुनाव दूर हैं, लेकिन सपा सूत्रों का कहना है कि इमरान मसूद का बयान कांग्रेस की रणनीति का ही हिस्सा है। इसमें दूसरी पंक्ति के नेताओं से बयान दिलवाकर पार्टी नेतृत्व पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। वहीं, सपा किसी भी हालत में कांग्रेस के लिए 35-40 से ज्यादा सीटें नहीं देगी।

लालू परिवार का फैसला सियासत में करेगा असर

लालू का तेज प्रताप को पार्टी से निकालने फैसला बिहार की सियासत में असर करेगा।

तेज प्रताप यादव ने छोटे भाई तेजस्वी यादव के लिए खुद को भले कभी सारथी बताकर संतोष कर लिया हो, लेकिन कई मौकों पर वह अपने बड़े होने को लेकर सवाल उठाते रहे थे। परिवार में उनकी स्थिति सही नहीं थी, लेकिन वह अपने पिता के लिए पूजा-पाठ करते भी दिखते थे। जब-जब उन्हें किनारे का भाव लगा तो उन्होंने परिवार से खुद को जुड़ा हुआ दिखाने के लिए बहनों से भी रिश्ते को लेकर तस्वीरें और पोस्ट भी शेयर कीं। लेकिन, लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव और बिहार चुनाव- इन तीनों समीकरणों में वह आखिरकार फिट नहीं बैठे। वह अपने ही सोशल मीडिया एकाउंट्स से जारी तस्वीरों को अपने परिवार पर हमला बताते रहे, लेकिन परिवार ने ही उनकी बातें स्वीकार नहीं की। पहले तेजस्वी और अब रोहिणी आचार्य ने पिता लालू प्रसाद के फैसलों की भाषा में तेज प्रताप से खुद को अलग करार दिया।

बिहार में भी चुनावी रणनीति तेज, आगामी चुनावों पर भविष्यवाणी शुरू

प्रशांत किशोर ने आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मौजूदा विधायकों से पूरी तरह नाराज है, चाहे वे किसी भी दल से हों। उन्होंने कहा कि अधिकांश विधायक अपनी सीट गंवाएंगे, क्योंकि उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता के लिए कुछ नहीं किया। पीके ने कहा कि बिहार की जनता भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अफसरशाही से त्रस्त है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी सेविकाएं, [illegible] अभ्यर्थी, बेरोजगार युवा सभी वर्ग सरकार से नाराज होकर सड़कों पर हैं और सरकार पूरी तरह निष्क्रिय बनी हुई है। प्रशांत किशोर ने भरोसे के साथ कहा कि अब से चार महीने के भीतर बिहार में बड़ा बदलाव दिखेगा। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता अब एक नई व्यवस्था चाहती है, जो पारदर्शी हो, जवाबदेह हो और जनता के लिए काम करे। [illegible] ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य सिर्फ आलोचना करना नहीं, बल्कि एक विकल्प तैयार करना है, जिसे जनता खुद चुने।

गिरीश और मलूक सॉफ्ट हाथी की चाल हो रही तेज

दरअसल, कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती दूरी ने कई नेताओं की बेचैनी भी बढ़ा दी है। पूर्व बसपा सांसद गिरीश चंद्र पार्टी में वापसी कर चुके हैं तो हाल ही में आकाश आनंद को चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए जाने का स्वागत पूर्व बसपा सांसद मलूक नागर ने किया है। बसपा नेता लगातार जिलों में काडर कैंप आदि के जरिये अन्य दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करा रहे हैं। वहीं तीनों नेशनल कोऑर्डिनेटर अन्य राज्यों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने में जुटे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद यूपी में भी बड़े पैमाने पर पार्टी सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है।

हसनपुर से ही उतरेंगे या महुआ में भाग्य आजमाएंगे?

तेज प्रताप यादव दूसरे मिजाज के हैं। वह हसनपुर से राजद के विधायक हैं, लेकिन महुआ विधानसभा सीट को लेकर काफी संजीदा रहे हैं। ताजा घटनाक्रम के बाद तेज प्रताप यादव धर्म-आध्यात्म का रुख कर लें तो यह भी आश्चर्य की बात नहीं होगी। चाणक्या स्कूल ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं- जिस तरह से उन्हें लालू प्रसाद यादव के पूरे परिवार ने अलगथलग किया है, बगावती तेवर अपनाना भी आश्चर्य वाली बात नहीं होगी। तेज प्रताप यादव के तलाक का मामला कोर्ट में विचाराधीन

है। ताजा प्रकरण से उसपर क्या असर पड़ता है, यह भी ध्यान देने वाली बात होगी। इधर, तेज प्रताप को करीब से जानने वाले कह रहे हैं कि वह गर्लफ्रेंड वाली बात नकार चुके हैं तो कोर्ट का फैसला आने तक इसपर शायद ही कुछ आगे कहें। रही बात चुनाव की तो उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल में रहते हुए ही अपनी युवा सेना तैयार कर चुके हैं। उन्हें ट्रेनिंग भी देते रहे हैं। वह उनके सहारे भी मैदान में उतर सकते हैं। ज्यादा संभावना महुआ से उतरने की है, जहां से राजद के मुकेश रौशन विधायक हैं। घोटाले और तलाक मामले के कारण जनता दल यूनाईटेड या भारतीय जनता पार्टी में उन्हें शरण मिलने की संभावना कम है। ऐसे में वह बाकी संभावनाओं पर नजर रखते हुए निर्दलीय भी उतर जाएं तो राजद को परेशान जरूर करेंगे।

सपा ने दिल्ली में किया था आप का समर्थन

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि जिस राज्य में इंडिया गठबंधन में शामिल जो दल मजबूत है, वहां का नेतृत्व उसी दल के हाथ में होना चाहिए। इसी रणनीति के तहत अखिलेश ने दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के बजाय आम आदमी पार्टी का समर्थन किया। जबकि, कांग्रेस और आप दोनों ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं।सपा के एक वरिष्ठ नेता नाम न छापने के अनुरोध के साथ कहते हैं कि सपा, कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटें देने का काम कभी नहीं करेगी। क्योंकि, यह उसके लिए आत्मघाती कदम होगा। वैसे भी यूपी में कांग्रेस का कोई मजबूत जनाधार नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व जितनी सीटें मांगते हैं, उन सीटों के लिए उनके पास प्रत्याशी तक नहीं होते। वे यहां तक कहते हैं कि सीटें लेने के बाद कांग्रेस को प्रत्याशी भी सपा को ही देने होते हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में यह देखा जा चुका है। 2017 का चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा था।

राजद लिखकर भी दे तो भी शायद ही विधायकी जाए

हां, यही बात है। राजद और कांग्रेस ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी के समय फ्लोर टेस्ट के दौरान दल-बदल करने वाले अपने विधायकों की विधायकी छीनने के लिए बाकायदा लिखित दिया, लेकिन कुछ हुआ नहीं। 12 फरवरी 2024 में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के जिन विधायकों ने राजग सरकार के पक्ष में मतदान किया था, वह अब भी विधायक बने हुए हैं। ऐसे में यह मानना मजबूरी भी है कि पार्टी से निष्कासन का आधार बनाकर अगर राजद तेज प्रताप यादव की विधायकी छीनने के लिए आवेदन करता है तो विधानसभा से इसकी मंजूरी मिलेगी। अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं, तब तक तेज प्रताप यादव हसनपुर के राजद विधायक के रूप में बने रहेंगे- यह उम्मीद उन्हें भी होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आत्महत्या करने वाले छात्रों की सुध ले सरकार

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की। इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नहीं देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए।

कोटा से लेकर लखनऊ या ये कहें भारत के लगभग हर शहर में छात्रों द्वारा सुसाइड करने की खबरें अम हो गई हैं। इन्हीं खबरों को संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने पूछा है कि आखिर छात्रों में आत्महत्या करने की दर बढ़ क्यों रही है। कोर्ट ने शासन प्रशासन से कहा इन छात्रों के बारे में सोचें और इस समस्या का निराकण करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की। इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नहीं देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए। बता दें अभी कुछ दिन पहले आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया? सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।चार मई को एनइइटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। चार मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को स्वत: संज्ञान लिया था। बात पिछले सालों की करें, तो साल 2024 में कोटा में रहने वाले 17 स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया था। पिछले साल जनवरी के महीने में 2 और फरवरी के महीने में 3 सुसाइड हुए थे। वहीं साल 2023 में कोटा में स्टूडेंट सुसाइड के कुल 26 मामले सामने आए थे।एमपी सुसाइड प्रिवेंशन टास्क फोर्स के मेंबर और साइकेट्रिस्ट डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने कोटा में हो रहे स्टूडेंट सुसाइड को लेकर कहा, 'किसी भी आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। वही एग्जाम सभी बच्चे दे रहे होते हैं। ऐसे में सुसाइड के लिए मिले-जुले फैक्टर्स जिम्मेदार होते हैं। इसमें जेनेटिक्स कारण, सामाजिक कारण, पियर प्रेशर, माता-पिता के एक्सपेक्टेशन्स, शिक्षा तंत्र सब शामिल है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्याय की भाषा में बदलाव की दस्तक

उमेश चतुर्वेदी

बीते 14 मई को राष्ट्रपति भवन में हिंदी के प्रयोग ने एक नया इतिहास रच दिया। देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का शपथ ग्रहण समारोह ऐतिहासिक बन गया। उन्होंने हिंदी में शपथ लेकर एक नई परंपरा की शुरुआत की। अब तक सभी मुख्य न्यायाधीश अंग्रेज़ी में ही शपथ लेते रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री जैसी प्रमुख हस्तियां पहले से ही हिंदी में शपथ लेती रही हैं, लेकिन न्यायपालिका का सर्वोच्च पद अब तक इससे अछूता था। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले न्यायमूर्ति गवई ने हिंदी में शपथ लेकर उस परंपरा को तोड़ा और न्यायपालिका में अब तक उपेक्षित रही हिंदी को सम्मान दिया। उनके इस निर्णय का विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। अपने शपथ ग्रहण में मातृभाषा का प्रयोग कर न्यायमूर्ति गवई ने देश के करोड़ों हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रेमियों को एक नई उम्मीद से भर दिया है।

लोगों को आशा है कि उनके नेतृत्व में न्यायपालिका में हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को उचित सम्मान और स्थान प्राप्त होगा। यह विडंबना ही है कि छह वर्ष पूर्व संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अदालतों में हिंदी में सुनवाई की अनुमति दी जा चुकी है, जबकि भारत की सर्वोच्च न्यायपालिका आज भी अंग्रेज़ी तक ही सीमित है। न्यायमूर्ति गवई से अपेक्षाएं इसलिए भी हैं क्योंकि उनके पद में महत्वपूर्ण अधिकार निहित हैं। मुख्य न्यायाधीश की सहमति के बिना किसी भी उच्च न्यायालय में कार्यवाही की भाषा स्थानीय नहीं बन सकती। संविधान के अनुच्छेद 348(1)(ए) के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट और सभी हाईकोर्ट की कार्यवाही अंग्रेज़ी में ही की जाएगी। हालांकि, इसी अनुच्छेद के भाग (2) में यह प्रावधान भी है कि यदि कोई राज्य अपनी राजभाषा में न्यायिक कार्य करना चाहता है, तो राज्यपाल राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त कर संबंधित हाईकोर्ट की कार्यवाही में हिंदी या राज्य की अन्य आधिकारिक भाषा के प्रयोग की अनुमति दे सकता है।

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 में भी इसी तरह का प्रावधान किया गया है। इसके तहत राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, उच्च न्यायालय के निर्णय या आदेशों के लिए अंग्रेज़ी के साथ-साथ हिंदी या राज्य की अन्य राजभाषा के प्रयोग को अनुमति

दे सकता है। दुर्भाग्यवश, इन संवैधानिक और विधिक प्रावधानों के बावजूद, आज तक इनका उपयोग बहुत सीमित रहा है। संविधान के प्रावधानों के तहत हिंदी को 26 जनवरी, 1965 से राजभाषा के तौर पर पूरे देश में कामकाज करने की अनुमति मिलनी थी। लेकिन इसके खिलाफ तीखे विरोध के साथ तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति मैदान में कूद पड़ी थी। हालांकि, जब उसे अहसास हुआ कि गणतंत्र दिवस पर ऐसा करना उचित नहीं होगा तो एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को उसने ऐसा किया। राजभाषा को लेकर होते रहे ऐसे विवादों की वजह से राजभाषा नीति पर विचार के लिए मंत्रिमंडल समिति का गठन किया गया। जिसने 21 मई, 1965 की अपनी बैठक में यह तय किया कि हाईकोर्ट में अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा के प्रयोग से संबंधित प्रस्ताव पर देश के मुख्य न्यायाधीश की सहमति प्राप्त की जानी चाहिए। भारतीय भाषा प्रेमियों की नजर में यह प्रावधान भारतीय भाषाओं की न्याय की भाषा बनने की राह में सबसे बड़ी बाधा है। सांविधानिक प्रावधान के अंतर्गत हिंदी में कामकाज की अनुमति सबसे पहले राजस्थान को हासिल हुई, जिसे हिंदी में कार्यवाही की अनुमति 1950 में मिली। इलाहाबाद हाईकोर्ट में हिंदी कार्यवाही की अनुमति 1969 में मिली, जबकि मध्य प्रदेश को 1971 और बिहार को 1972 में मिली। कई राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने समय-समय पर अपनी भाषाओं में अपने हाईकोर्ट में कार्यवाही चलाने की अनुमति मांगी, लेकिन उन्हें नाकामी ही मिली। यद्यपि तमाम सांविधानिक प्रावधानों और उनकी बाधा के बावजूद भारतीय भाषा प्रेमियों का उत्साह कम नहीं हुआ। वे भारतीय भाषाओं को न्यायपालिका की भाषा बनाने की मांग करते रहे हैं।

इसका असर उच्च न्यायपालिका पर भी पड़ा है। बेशक न्यायिक कार्यवाही भारतीय भाषाओं में नहीं हो रही है, लेकिन फैसलों और न्यायिक कार्यवाही तक आम लोगों की सहज पहुंच बनाने की दिशा न्यायलय आगे बढ़े हैं। इसके तहत कार्यवाही और निर्णयों का अंग्रेजी से क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति अभय एस ओका की अध्यक्षता में एआई सहायता प्राप्त कानूनी अनुवाद सलाहकार समिति का गठन किया है। इसके जरिए अब तक 16 भाषाओं में हजारों फैसलों आदि का अनुवाद किया जा रहा है।

जासूसी के मकड़जाल पर कानून की निगहबानी

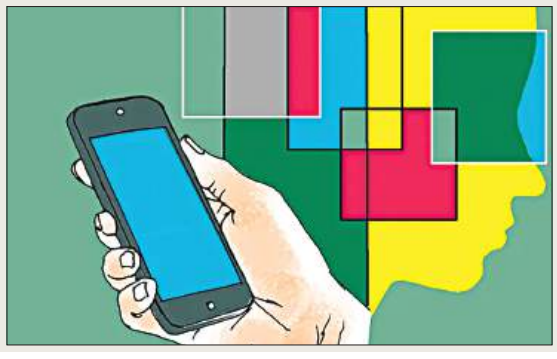

के.पी. सिंह

हाल ही में हुए सशस्त्र संघर्ष के बाद भारत में पाक खुफिया एजेंसियों के जासूसों और मुखबिरों के नेटवर्क पर कार्रवाई अपरिहार्य थी। यू-ट्यूबर, यायावर, शिक्षाविद, अपराधी और छोटे व्यवसायियों सहित एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों को दुश्मन देश की गुप्त सेवाओं के साथ संदिग्ध सम्बन्धों के चलते गिरफ्तार किया गया है। सम्भव है कि इनमें से अधिकतर व्यक्ति धन प्राप्ति, वीजा पाने और प्रायोजित विदेश यात्राओं की खातिर अथवा अन्य प्रलोभन के वशीभूत होकर विदेशी एजेंटों के जाल में फंस गए हों। समय के साथ जासूसी के दायरे और विधाओं में बदलाव आया है और इसके आयाम अधिक व्यापक और जटिल हो गए हैं, जिसमें विभिन्न तकनीक पर आधारित, कार्यप्रणाली तथा तरह-तरह के लक्ष्य शामिल होते जा रहे हैं। प्राचीन युग में राजाओं के मुखबिर जानकारी एकत्रित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर गुप्त रूप से घूमते थे। अधीनस्थ रियासतों के षड्यंत्रों तथा महल की साजिशों का पर्दाफाश करने के लिए भी राजाओं द्वारा गुप्तचर नियुक्त किए जाते थे।

आधुनिक सूचना क्रान्ति के दौर में गुप्त जानकारी एकत्रित करने की प्रक्रियाएं पूरी तरह से बदल गई हैं। इनमें साइबर हमलों और आतंकवाद से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सम्भावित खतरों की पहचान करना, विरोधियों की सैन्य क्षमताओं को परखना और सैनिकों की आवाजाही पर नज़र रखने के साथ-साथ व्यापारिक रहस्यों, बाजार के रुझान और प्रतिस्पर्धियों की जानकारी से सम्बन्धित मामलों पर आर्थिक जासूसी शामिल है। साथ ही राजनीतिक और सामाजिक संस्थानों एवं भू-राजनीति से जुड़े मसलों की निगरानी शामिल है। औद्योगिक क्रान्ति के बाद, आधुनिक राज्य की अवधारणा विभिन्न स्वरूपों में अवतरित हुई, जिसके परिणामस्वरूप एक जटिल विश्व-व्यवस्था का उदय हुआ। इस व्यवस्था के लिए आवश्यक रणनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक महत्व की जानकारी एकत्रित करने के लिए पारम्परिक मानव-केन्द्रित गुप्तचर प्रणाली बहुत कम उपयोगी रह गई है।

इसके लिए सिग्नल इंटेलिजेंस, वायर इंटरसेप्शन, फोटोग्राफी, उपग्रह इमेजरी और साइबर निगरानी जैसी प्रौद्योगिकी और अमूर्त परिसम्पत्तियों पर आधारित तौर-तरीकों से परिपूर्ण एक सम्पूर्ण गुप्तचर संस्था की जरूरत आन पड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर उपकरणों का उपयोग सटीक और सम्यक 'सॉफ्ट इंटेलिजेंस' एकत्रित करने और दुश्मन की इलेक्ट्रॉनिकी पर आधारित प्रणालियों को बाधित करने के लिए किया जा रहा है। विरोधियों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को निष्क्रिय करने के लिए हार्डवेयर को हैक करना और सॉफ्टवेयर से छेड़छाड़ करना आम बात हो गई है। साइबर जासूसी के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक-संचार माध्यमों को बाधित करके उनसे प्राप्त सिग्नलों का विश्लेषण करने के लिए 'सिग्नल इंटेलिजेंस' लोकप्रिय हो रही है। 'इमेजरी इंटेलिजेंस' तकनीक का उपयोग करना, जिसमें उपग्रह और ड्रोन, हवाई टोही यंत्रों द्वारा डिजिटल फोटोग्राफी शामिल है, अब कोई रहस्य नहीं रह गया है।

हालांकि, व्यक्तियों, संगठनों और दुश्मन की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए अन्दर के भेदी लोगों को अपने साथ मिलाकर लक्षित संस्थान के अन्दर घुसपैठ करके पारम्परिक निगरानी के तरीके गुप्त एजेंसियों द्वारा अभी भी प्रयोग में लाए जा रहे हैं। दुश्मन की सूचना एकत्र करने वाली इकाइयों को बाधित और भ्रमित करने, देश के रणनीतिक हितों के रक्षार्थ तथा 'डीप स्टेट' के नापाक मंसूबों पर पानी फेरने के लिए भी जासूसी आवश्यक है। हितधारक, प्रतिद्वंद्वी की गुप्तचर प्रणालियों से छेड़छाड़ करने तथा राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विमर्शों पर प्रायोजित एवं अपेक्षित राय विकसित करने के उद्देश्य से अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों से युक्त 'डीप स्टेट' की सेवाएं निरन्तर ले रहे हैं। 'डीप स्टेट' वह अवधारणा है जिसके अन्तर्गत व्यक्तियों के समूह, अदृश्य रहकर, सरकारों और संस्थानों की नीतियों और गतिविधियों को बिना कोई जिम्मेदारी ओढ़े संचालित अथवा प्रभावित करते हैं। कुछ हालिया गिरफ्तारियों को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। दुनियाभर की सरकारों द्वारा जासूसी और 'डीप स्टेट' के प्रचार के खतरों से निपटने के लिए कानूनी तंत्र विकसित किया जाता रहा है। ब्रिटिश शासन के दौरान, भारत में सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण आधिकारिक दस्तावेजों और सूचनाओं के प्रकटीकरण को रोकने के लिए गवर्नर जनरल द्वारा वर्ष 1889 में भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (आईओएस एक्ट) अधिनियमित किया गया था।

लॉर्ड कर्जन के शासनकाल में इस कानून को और मजबूत किया गया और परिणामस्वरूप 1904 में आईओएस एक्ट में संशोधन किए गए। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, अंग्रेजों को सैन्य रहस्यों और प्रतिष्ठानों को पहले से कहीं अधिक सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता महसूस हुई, जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा 'आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923' (ओएस एक्ट) पारित किया गया। जिसमें शासन के लिए आवश्यक गोपनीयता के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा गया था। ओएस एक्ट जासूसी को अपराध घोषित करता है। जासूसी की परिभाषा में किसी निषिद्ध स्थान में प्रवेश करना या स्कैच और नोट बनाना या किसी सरकारी दस्तावेज या सूचना को प्राप्त करके उसे अवांछनीय तत्वों तक पहुंचाने के कार्य को शामिल किया गया है, जो किसी दुश्मन के लिए उपयोगी साबित हो सकता हो या जो भारत की संप्रभुता और अखण्डता एवं विदेशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को प्रभावित कर सकते हो।

कच्चा आम

घर पर बनाएं खट्टा-मीठा अचार

गर्मी के मौसम में वो लोग काफी खुश हो जाते हैं, जिन्हें आम खाना पसंद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गर्मी के मौसम में कई प्रकार के आम बाजार में मिलते हैं। इसी मौसम में कच्चे आम भी मिलने लगते हैं, जिनसे आम पना और अचार जैसी चीजें बनाई जाती हैं। इसी मौसम में लोग आम का अचार तैयार करके उसे सालभर के लिए स्टोर करते हैं। भारतीय घरों में आम के अचार कई वैरायटी में बनाए जाते हैं। इन्हीं में शामिल है आम का खट्टा-मीठा अचार, जिसे पराठें के साथ खाना काफी पसंद आता है। तो आप घर पर आम के खट्टे मीठे अचार को बना सकते हैं जिसे आप इसे सालभर के लिए बनाकर स्टोर कर सकते हैं।

सामान

कच्चे आम- 1 किलो, शक्कर- 750 ग्राम से 1 किलो, सौंफ- 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना- 1 बड़ा चम्मच, कलौंजी - 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 2 छोटे चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- 2 बड़े चम्मच, सरसों का तेल- 1 कप।

विधि

आम का खट्टा-मीठा अचार बनाने के लिए सबसे पहले तो आम को धोकर उसका छिलका उतार लें। अब उसे कद्दूकस कर लें। कद्दूकस करने के बाद इसे धूप में थोड़ा सा सुखा लें। अचार तभी अच्छा बनेगा, जब इसका पूरा पानी सूख जाएगा। जब तक ये पूरी तरह से सूख रहा है, तब तक मेथी दाना और सौंफ को हल्का भूनकर दरदरा पीस लें। यदि आप अचार में भुना हुआ मसाला डालेंगे तो इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा। अब बारी आती है अचार को बनाने की, तो उसके लिए एक भारी तले की कड़ाही में आम, हल्दी, नमक और लाल मिर्च डालें और 5–10 मिनट पकाएं। इसके बाद अब इसमें चीनी डालें और मध्यम आंच पर पकाएं जब तक चीनी पिघलकर गाढ़ा सिरप न बन जाए।

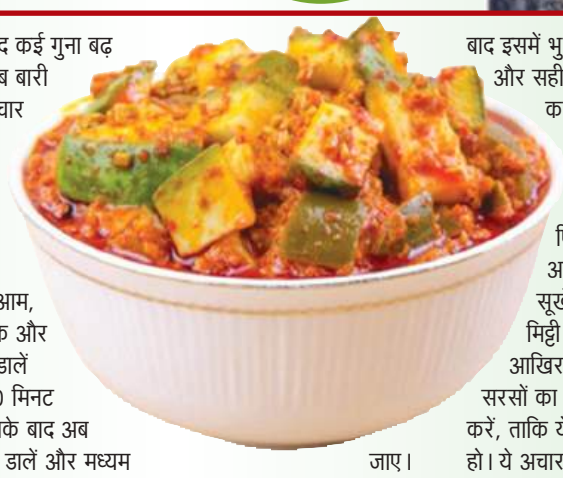

जब आम नरम होने लगे तो गैस को बंद कर दें। गैस बंद होने के बाद इसमें भुने हुए मसाले डालें और सही तरह से मिक्स करें। मसाले मिक्स करने के बाद थोड़ा सा सरसों का तेल डालें और फिर से मिक्स करें। अब अचार को साफ, सूखे कांच या चीनी मिट्टी के जार में भरें। आखिर में इसमें थोड़ा सा सरसों का तेल और मिक्स करें, ताकि ये सालभर खराब न हो। ये अचार पराठे के साथ खाने में काफी अच्छा और स्वादिष्ट लगता है।

भीषण गर्मी में घर पर बनाएं ठंडा

आम पन्ना

गर्मी के मौसम में यदि आप अपनी सेहत का सही से ध्यान नहीं रखेंगे तो इससे कई बीमारियां आपको जकड़ने लगेंगी। यही वजह है कि इस मौसम में लोग अपने पहनावे से लेकर खान-पान तक में बदलाव कर लेते हैं। लोगों को इस मौसम में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिसके सेवन से शरीर हाइड्रेट रहे। ऐसे में आप आम पन्ना बना सकते हैं। ये आपको न सिर्फ लू से बचाता है बल्कि शरीर को डिटॉक्स करता है, पाचन सुधारता है और तुरंत ताजगी देता है। वैसे तो आम पन्ना बनाना काफी आसान है, इसे बनाने की तीन आसान विधियां हैं।

सामान

इसे बनाने के लिए आपको 2 कच्चे आम, ½ कप चीनी, ½ छोटा चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच भुना जीरा, पुदीना की पत्तियां और गुड़ या चीनी की जरूरत पड़ेगी, नींबू का रस, काला नमक स्वादानुसार की जरूरत पड़ेगी।

विधि

क्लासिक आम पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले आम को उबालकर ठंडा होने दें और फिर इसी छील लें। अब इसका गूदा निकालकर इसे मिक्सी में चीनी, नमक और मसालों के साथ ब्लेंड करें। आखिर में इसमें पानी डालकर थोड़ा पतला करें और ठंडा करने के बाद सर्व करें। वहीं मसालेदार आम पन्ना बनाने के लिए आम को उबालकर गूदा निकालें। अब इसमें पुदीना, मसाले और मीठा मिलाकर पीसें। इसके बाद इन सभी चीजों को पानी में मिक्स करें और ठंडा-ठंडा परोसें। ठंडा करने के लिए इसे आप फ्रिज में रख सकते हैं। वहीं मिंट फ्लेवर आम पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आम के गूदे में पुदीना और मसाले मिलाएं। अब इसे मिक्सी में ब्लेंड करें और फिर पानी डालकर ठंडा परोसें। ऊपर से नींबू का रस मिलाएं। इसे ठंडा ही परोसना ज्यादा अच्छा लगता है।

हंसना मना है

कोई गम नहीं मगर दिल उदास है, तुझसे कोई रिश्ता नहीं फिर भी एहसास है, कहने को बहुत अपने है मगर तू एक खास है, ज्यादा इमोशनल ना होना ऊपर सब बकवास है।

मछली जल की रानी है: इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे: अतिथी देवो भव, फिर लिखा: शुभ लाभ, फिर लिखा: यू आर वेलकम, और अब: कुत्तों से सावधान !

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है। छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं बल्कि हमारे ससुर होते...

अगर लोगों के दिल में जिंदा रहना है, तो लोगों से पैसा उधार ले लो।

कहानी — बहरा मेंढक

एक तालाब में बहुत सारे मेंढक रहते थे। उस तालाब के ठीक बीचोंबीच एक बडा-सा लोहे का खम्बा वहां के राजा ने लगवाया हुआ था। एक दिन तालाब के मेंढको ने निश्चय किया कि क्यों ना इस खम्भे पर चढ़ने के लिए रेस लगाई जाये, जो भी इस खंभे पर चढ़ जायेगा, उसको प्रतियोगिता का विजेता माना जायेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वहां कई मेढ़क एकत्रित हुए, पास के तालाब से भी कई मेंढ़क रेस में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हुए थे। रेस का आरंभ हुआ, चारों ओर शोर ही शोर था। सब उस लोहे के बड़े से खम्भे को देख कर कहने लगे अरे इस पर चढ़ना नामुमकिन है इसे तो कोई भी नहीं कर पायेगा। इस खम्भे पर तो चढ़ा ही नहीं जा सकता। और ऐसा हो भी रहा था, जो भी मेढ़क खम्भे पर चढ़ने का प्रयास करता, वो खम्भे के चिकने एवं काफी ऊंचा होने के कारण थोड़ा सा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता। बार बार कोशिश करने के बाद भी कोई ऊपर खम्भे पर नहीं पहुंच पा रहा था। अब तक काफी मेंढ़क हार मान गए थे, और कई मेंढ़क गिरने के बाद भी अपनी कोशिश जारी रखे हुए थे। मेंढक बोल रहे थे यह असंभव है कोई इतने ऊंचे खम्भे पर चढ़ ही नहीं सकता। आदि, और ऐसा बार बार सुन सुन कर काफी मेंढक हार मान बैठे और उन्होंने भी प्रयास करना छोड़ दिया। और अब वो भी उन मेंढको का साथ देने लगे जो जोर-जोर से चिल्लाने लगे। लेकिन उन्ही मे से एक छोटा मेंढक लगातार कोशिश करने के कारण खम्भे पर जा पंहुचा, हालांकि वो भी काफी बार गिरा, उठा, प्रयास किया तब कही जाकर वो सफलता पूर्वक खम्भे पर पहुंचा। और रेस का विजेता घोषित किया गया। उसको विजेता देखकर, मेढ़को ने उसकी सफलता का कारण पूछा की यह असंभव कार्य तुमने कैसे किया, यह तो नामुमकिन था, यहां सफलता कैसे प्राप्त की, कृपया हमें भी बताए। तभी पीछे से एक मेंढ़क की आवाज़ आयी अरे उससे क्या पूछते हो वो तो बहरा है। फिर भी मेढकों ने विजेता मेंढक से पता करने के लिए एक ऐसे मेढक की मदद ली, जो उसकी सफलता का कारण जान सके, विजेता मेंढक ने बताया की मैं बहरा हूं। मुझे सुनाई नहीं देता, लेकिन जब आप लोग जोर-जोर से चिल्ला रहे थे, तो मुझे लगा जैसे आप मुझसे कह रहे हो की यह तुम कर सकते हो, यह तुम्हारे लिए मुमकिन है इन्हीं शब्दों ने मुझे सफलता दिलाई है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ — आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन — यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कर्क — भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी होगी।

तुला — नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। नया काम मिलेगा।

वृश्चिक — आज कार्य का तत्काल लाभ नहीं होगा। धन के निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। योजना फलीभूत होगी।

धनु — कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर — आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन — आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्ट्रेस नहीं मैं अकाउंटेंट बनना चाहती थी : ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना इन दिनों फिल्मों से दूर हैं। अभिनेत्री होने के साथ वह बेस्टसेलिंग लेखिका और स्तंभकार हैं। दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना और अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की बेटी ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड परिवार से होने के बावजूद अलग करियर बनाना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का खुलासा किया है। लेहरेन के साथ बातचीत में एक बार ट्विंकल खन्ना ने कहा मैंने तब अभिनेत्री बनने के बारे में सोचा भी नहीं था। मैं एक अकाउंटेंट बनना चाहती थी। मैं बचपन से ही अभिनेताओं के बीच पली-बढ़ी हूं, इसलिए मैं कभी भी मशहूर होने की तरफ नहीं गई। मुझे बस लगा कि शोहरत मेरे पास आ रही है। माता-पिता के स्टारडम ने इंडस्ट्री में ट्विंकल खन्ना के शुरुआती दिनों को कैसे प्रभावित किया, इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा इसने मुझे इस तरह से सहारा दिया कि बहुत से लोग मेरे साथ अभिनय करने से पहले दो बार सोचते थे। मुझे अपना पहला ब्रेक आसानी से मिल गया, लेकिन उसके बाद आपको हर किसी की तरह अपने दम पर काम हासिल करना होता है। ट्विंकल ने अपने माता-पिता से तुलना किए जाने पर कहा मेरी तुलना मेरे माता पिता से नहीं की जा सकती। इसके लिए बहुत लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। आप ऐसे करियर की बात कर रहे हैं जो 10-20 साल तक चला, मैंने तो अभी शुरुआत की है। क्या आप किसी अभिनेता से पूछेंगे कि इंडस्ट्री में 5 साल रहने के बाद क्या वह अमिताभ बच्चन से मुकाबला कर सकता है? जब उनसे पूछा गया कि सुपरस्टार की बेटी कहलाने पर उन्हें कैसा महसूस होता है, तो उन्होंने कहा मुझे उनके काम पर बहुत गर्व है, मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। ट्विंकल ने बताया कि समय के साथ उन्हें अभिनय में मजा आने लगा। मुझे लगा कि चलो देखते हैं कि मुझे इसमें (अभिनय में) मजा आता है या नहीं। लगभग दो साल बाद, मुझे वास्तव में वह पसंद आने लगा जो मैं कर रही थी, इसलिए मैंने इसे जारी रखा। अगर मैं एक्ट्रेस नहीं बन पाती, तो मैं एक फिजियोथेरेपिस्ट होती। मैंने कभी इसका अध्ययन नहीं किया। मुझे इसमें बहुत रुचि है।

आगामी बायोपिक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं जॉन अब्राहम

बॉलीवुड | मसाला

जॉन अब्राहम को बायोपिक द डिप्लोमैट में अपनी अदाकारी के लिए दर्शकों से खूब तारीफें मिलीं। इसी साल मार्च में रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स ने भी सराहा। जॉन अब अगली फिल्म की तैयारी में जुटे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी अगली फिल्म भी बायोपिक है, जिस पर जॉन ने पत्ते खोल दिए हैं।

जॉन अब्राहम ने एक इवेंट में पुष्टि की है कि वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं। जॉन अब्राहम सोमवार को लकड़बग्घा: द प्रोलॉग के लॉन्च इवेंट में शामिल हुए। इस ग्राफिक नॉवेल के लॉन्च इवेंट में अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म को लेकर बात की। जॉन ने कंफर्म किया कि वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं। एक्टर ने यह भी बताया कि फिलहाल उनका जो लुक है, वह इसी बायोपिक के लिए है।

कॉमिक बुक लक्कड़बग्घा: द प्रोलॉग के लॉन्च इवेंट में पहुंचे जॉन अब्राहम ने कहा कि वे राकेश मारिया के जीवन पर आधारित फिल्म कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या उनका नया लुक उसी फिल्म के लिए है? इस पर एक्टर ने कहा, हां। साथ ही अपना अनुभव भी बताया। जॉन ने कहा कि फिल्म में काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा है।

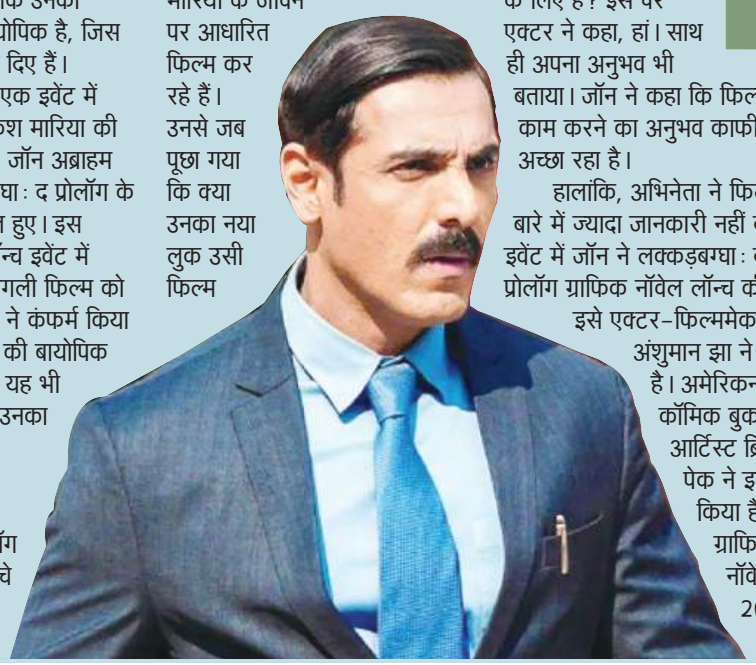

हालांकि, अभिनेता ने फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। इवेंट में जॉन ने लक्कड़बग्घा: द प्रोलॉग ग्राफिक नॉवेल लॉन्च की। इसे एक्टर-फिल्ममेकर अंशुमान झा ने लिखा है। अमेरिकन कॉमिक बुक आर्टिस्ट ब्रिटेन पेक ने इलस्ट्रेट किया है। यह ग्राफिक नॉवेल 2023 में आई फिल्म लक्कड़बग्घा पर आधारित है। इवेंट में जॉन अब्राहम के साथ फिल्म की कास्ट और टीम भी मौजूद रही। इसमें रिद्धि डोगरा भी शामिल थीं।

यह ग्राफिक नॉवेल इस फ्रैंचाइजी का पहला कॉमिक बुक एडिशन है और इसे पहली बार इस तरह पेश किया गया है। जॉन अब्रहाम खुद एक एक्टिव एनिमल लवर हैं। वे PETA इंडिया के ऑनरेरी डायरेक्टर भी हैं। बता दें कि राकेश मारिया एक पूर्व भारतीय पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने 1981 बैच से सिविल सेवा परीक्षा पास की। राकेश मारिया को 2008 में 26/11 के मुंबई हमलों जांच की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने इस मामले की जांच की।

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की सबसे हिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक हाउसफुल एक बार फिर से दर्शकों को हंसी का फुल डोज देने के लिए तैयार है। 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर अब सामने आ चुका है और इसे देखकर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म में एक बार फिर से अक्षय कुमार और रितेश देशमुख की जोड़ी धमाल मचाने को तैयार है। साथ ही इस बार कॉमेडी का तड़का लगाने के लिए कई नए चेहरे भी नजर आने वाले हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख से लेकर संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा नजर आ रही हैं।

साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं तरुण मनसुखानी। ट्रेलर की बात करें तो यह शुरू से लेकर आखिर तक पूरी तरह से एंटरटेनमेंट से भरा हुआ है। ट्रेलर में कॉमिक टाइमिंग, रंगीन लोकेशंस और फुल ऑन मसाला देखने को मिला है।

फिल्म के ट्रेलर में अभिषेक बच्चन, रितेश और अक्षय के बीच तनातनी चल रही है जोली बनने को लेकर। दरअसल रणजीत अपने जन्मदिन पर अपनी प्रॉपर्टी बेटे जॉली के नाम पर करना चाहते हैं। करोड़ों की संपत्ति के लिए तीनों खुद को जॉली बताते हैं। इसी बीच क्रूज पर तीनों की गर्लफ्रेंड्स एक्सचेंज होने का भी इंसीडेंट होता है, जिसके बाद फुल ऑन कंफ्यूजन देखने को मिलता है।

लंबी चौड़ी स्टारकास्ट वाली इस फिल्म को अगले महीने 6 जून को रिलीज किया जाएगा। संजय दत्त की एंट्री इस बार एक अलग ही रंग लेकर आई है। उन्होंने ट्रेलर में अपने दमदार डायलॉग्स और कॉमिक अंदाज से दर्शकों का ध्यान खींचा है। वहीं जैकलीन और नरगिस ग्लैमर का तड़का लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

अजब-गजब | इस व्यक्ति ने जनता को पढ़ाया आत्मसम्मान और आजादी का पाठ

सामंतशाही के खिलाफ वह पहला विद्रोही, जिसकी मौत के लिए राजा को भी रचनी पड़ी थी साजिश!

सामंतशाही के खिलाफ पहला विद्रोह 18वीं-19वीं सदी में हुआ, जब मारवाड़ और जालोर क्षेत्र पर सामंतों का अत्याचार चरम पर था। उस समय रूपाजी ने अपने बड़े भाई समरथाजी के साथ चोरा गांव छोड़ दिया। वे पाल और फिर वाडाल गांव में बस गए। लेकिन वहां भी जब उन्होंने सामंतों का शोषण देखा, तो वे चुप नहीं बैठे, बल्कि जनजागृति की शुरुआत की।

रूपाजी को आम जनता 'जादूगर' कहती थी, लेकिन उनका जादू कोई तमाशा नहीं, बल्कि समाज जागरण का माध्यम था। उनकी दिव्य शक्तियां ऐसी थी कि गोली चलती तो पानी निकलता और तलवार उठती तो हाथ जड़ हो जाता। वे एक जननायक थे, जिन्होंने जनता को आत्मसम्मान और आजादी का पाठ पढ़ाया।

रूपाजी की लोकप्रियता से घबराकर जोधपुर दरबार ने जालोर के सामंतों को उन्हें खत्म करने का आदेश दिया। एक नाई के विश्वासघात के चलते वे वड़वज गांव में घिर गए। जादुई सामग्री को जला दिया गया और जब रूपाजी कमजोर हुए, तो गोलियों से छलनी कर दिया गया। उनकी शहादत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। रूपाजी की मृत्यु के बाद उनके विचार और संघर्ष की लौ और तेज हुई। उनके परिजनों ने कभी सामंतों के सामने सिर नहीं झुकाया। समाज ने झूठी सीडी और वीडियो का विरोध किया और रूपाजी को एक नायक के रूप में सम्मानित किया। उनकी शहादत ने नए जननायकों को जन्म दिया।

आज रूपाजी का परिवार पाल और वाडाल गांव में रह रहा है। उनके वंशज आज भी उसी संघर्ष और स्वाभिमान की परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। रूपाजी रेबारी की गाथा केवल इतिहास नहीं, बल्कि समाज की चेतना का हिस्सा है, जो आज भी युवाओं को अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देती है।

न तो एसी न ही कूलर, फिर भी 50 डिग्री तापमान में भी ठंडा रहता है यह स्कूल

भारत में एक ऐसा अनोखा स्कूल मौजूद है, जो 50 डिग्री सेल्सियस जैसी भीषण गर्मी में भी अंदर से पूरी तरह ठंडा रहता है। हैरानी की बात ये है कि यहां न तो एक भी एसी लगा है और न ही कोई कूलर लगा है। खास तकनीक और वास्तुकला के कारण यह स्कूल पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-संरक्षण में भी अव्वल है। हम जिस स्कूल की बात कर रहे हैं, उसका नाम राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल है, जो राजस्थान के थार रेगिस्तान में स्थित है। यहां तापमान 50 डिग्री तक पहुंच जाता है, लेकिन फिर भी स्कूल के अंदर ठंडक बनी रहती है। खास डिजाइन और प्राकृतिक वेंटिलेशन के चलते यहां एसी या कूलर की जरूरत ही नहीं पड़ती। राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित है, जहां दुनिया का प्रसिद्ध थार मरुस्थल भी है। इस इलाके में गर्मियों के दौरान तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इसके बावजूद, यह स्कूल अपने अनोखे डिजाइन की वजह से बिना एसी और कूलर के भी अंदर से ठंडा बना रहता है। राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल की छत को खास तकनीक से तैयार किया गया है ताकि भीषण गर्मी अंदर तक न पहुंच सके। छत की सीलिंग के नीचे लाइम प्लास्टर किया गया है, जो ठंडक बनाए रखने में मदद करता है। वहीं, छत के ऊपर चीनी मिट्टी की टाइल्स लगाई गई हैं, जो गर्मी को नीचे जाने से रोकती है। इस स्कूल को अमेरिका की मशहूर आर्किटेक्ट डायना केलॉग ने डिजाइन किया है। बता दें कि इतनी भीषण गर्मी से बचाने का सॉल्यूशन जैसलमेर के पत्थरों में मौजूद है। इस स्कूल की बिल्डिंग लोकल सैंडस्टोन से बनी है। यह इसे तपती गर्मी में ठंडा रखने में मदद करता है।

संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार : ममता

टीएमसी सांसदों ने लिखा प्रधानमंत्री मोदी को पत्र

» बोलीं- देश के लोगों को भी सरकार के कदमों के बारे में जानने का हक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार हाल ही में हुए तनाव पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की विपक्षी नेताओं की मांग को समर्थन दिया। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे संसद का विशेष सत्र आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर आतंकवाद से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में लोगों को जानकारी दी जा सके।

सागरिका घोष ने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमने पाकिस्तान आधारित आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प के बारे में बात करने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडल में प्रतिभागियों को भेजने में भारत सरकार के साथ पूरा सहयोग किया है, लेकिन हमारे नेता ने कहा है कि संसद का एक विशेष सत्र बुलाने का समय आ गया है, क्योंकि भारत के नागरिकों को भी पाकिस्तान आधारित आतंकवाद से निपटने में सरकार के कदमों के बारे में जानने की जरूरत है। बैठक के बाद राज्यसभा में पार्टी की उपनेता सागरिका घोष ने कहा कि हम सभी ने प्रधानमंत्री को एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अनुरोध किया गया है कि 5 जून को सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के स्वदेश लौटने के बाद संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाए। सांसदों ने पहलगाम हमले और उसके बाद की कार्रवाई में जान गंवाने वालों के सम्मान में बैठक में एक मिनट का मौन भी रखा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से विपक्षी दल संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में सांसदों को जानकारी देने के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी यह मांग उठाई गई।

राजद प्रमुख लालू यादव से मिलीं मुख्यमंत्री बनर्जी

बनर्जी लालू परिवार से मुलाकात करने अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने लालू प्रसाद का हाल चाल पूछा। इस दौरान पूर्व सीएम राबड़ी देवी व सांसद मीसा भारती भी वहां मौजूद थीं। इसके बाद सभी लोग राजश्री यादव से मिलने उनके वार्ड में पहुंचे। यहां उन्होंने तेजस्वी यादव और राजश्री को शुभकामनाएं दीं। ममता ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि तेजस्वी यादव और राजश्री यादव के साथ खुशी का साझा करना बहुत आनंददायक है। उन्होंने एक सुंदर बेटे का स्वागत किया है। बनर्जी ने कहा कि लालू जी और तेजस्वी समेत पूरे परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं नए मेहमान को खूब आशीर्वाद देती हूं। आज उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। मां और बच्चे को अच्छे स्वास्थ्य में देखकर मन में अपार खुशी हुई। उन्होंने कहा कि मुझे कुछ समय से पता था कि राजश्री कोलकाता में थीं, और तेजस्वी ने मुझे कल रात बच्चे के आगमन की खबर दी थी। राजश्री पिछले नौ महीना से यहां थी। मैं उनसे हालचाल ले रही थी। मैंने वादा किया था कि मैं उन्हें देखने आऊंगी, और आज मैं प्यार और आशीर्वाद के साथ गयी। यह छोटा बच्चा परिवार के लिए अच्छे भाग्य और आशा का प्रतीक बने।

मप्र में बीजेपी की सभी गारंटी फेल : पटवारी

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मोहन सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटनी। कटनी में थोड़े दिन के लिए आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी सरकार पर कड़ी आलोचना की। पटवारी ने कहा कि बीजेपी सरकार ने जो गारंटियां दी थीं, वे पूरी नहीं हुईं और कटनी को माफियाओं का ठिकाना बता दिया। कटनी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जीतू पटवारी का बहुत धूमधाम से स्वागत किया। उन्होंने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की बात कही और कार्यकर्ताओं से जबलपुर में होने वाली जय हिंद सभा में ज्यादा से ज्यादा आने की अपील की। जीतू पटवारी ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि बीजेपी की पांचो गारंटी फेल हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि मोहन यादव की सरकार भी शिवराज की तरह कमजोर थी। पटवारी ने बताया कि मध्यप्रदेश महिलाओं के खिलाफ अपराध में देश में तीसरे नंबर पर है। सरकार कर्ज में डूबी हुई है और आराम फरमाने में लगी है। ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान मुद्दे पर भी उन्होंने बीजेपी को कटघरे में लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी के मंत्री विजय शाह और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के सेना विरोधी बयान से मोदी सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेसजनों में देशभक्ति है, लेकिन मोदी की रगों में सिंदूर और बारूद बहता है। जाते वक्त उन्होंने कटनी में अवैध खनन और जमीन पर कब्जे के सवाल पर कटनी को माफियाओं की राजधानी कहा।

97.4 प्रतिशत नम्बरों के साथ रॉची टॉप करने वाली तहरीन फातिमा का सम्मान

सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने की होनहार बेटी की हौसलाअफजाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड बोर्ड में 97.4 प्रतिशत नम्बरों के साथ रॉची टॉप करने वाली तहरीन फातिमा से राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने मुलाकात की। उन्होंने कहा कि तहरीन फातिमा की कहानी कमाल की है, आज सुबह इस बच्ची के परिवार से मिला और बच्ची की हौसला अफ़ज़ाई के लिये उसे सम्मानित किया।

तहरीन के पिता सड़क किनारे रेहड़ी पर कपड़ा बेंचते हैं, लेकिन जज़्बा कमाल का है, उनसे मिल के उन्हें बधाई दे रहा था तो वो सहजता से बोले सर मुझे कुछ कहना है....मैंने कहा बोलिये, वो बेसाखूता बोले....ये किसने कह दिया तुमसे कि बस पंचर बनाते हैं, छोटे-छोटे शहरों में पलने वाले यही हौसले एक दिन समाज में बड़ा बदलाव लायेंगे।

मणिपुर में कानून-व्यवस्था ध्वस्त: इबोबी

» कांग्रेस नेता बोले- गवर्नर एयरलिफ्ट किए जा रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। कांग्रेस नेता और मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह ने राज्य और केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है और मणिपुर में चल रहे संकट को शासन की पूरी तरह विफलता बताया है। उनकी यह टिप्पणी राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को भारी विरोध प्रदर्शनों के कारण भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर से ले जाए जाने के एक दिन बाद आई है, जो इंफाल हवाई अड्डे से राजभवन तक मात्र सात किलोमीटर की दूरी तय करने में असमर्थ थे।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि के अवसर पर इंफाल में कांग्रेस भवन में पुष्पांजलि समारोह के दौरान बात करते हुए इबोबी ने मणिपुर के राज्यपाल, सुरक्षा सलाहकार, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने इसे राज्य में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने का प्रतीक बताया। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को मणिपुर इंटीग्रिटी पर समन्वय समिति द्वारा आयोजित बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों से बचने के लिए हवाई मार्ग से जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। विरोध प्रदर्शनों में राज्यपाल से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने और मुख्य सचिव, सुरक्षा सलाहकार और डीजीपी के तत्काल इस्तीफ़े या तबादले की मांग की गई। बता दे पिछले साल से मणिपुर में दो समुदायों में छिड़ी जंग अबतक शांत नहीं हुइ है। हिंसा इतनी भयावह रही की कई दिनों कर्फ्यू लगा रहा।

यह गृहमंत्रालय की पूरी तरह विफलता है

उन्होंने कहा कि हमारे आकलन के अनुसार, यह भारत सरकार, खासकर गृह मंत्रालय की पूरी तरह से विफलता है। राज्यपाल, राज्य के सवैधानिक प्रमुख होने के नाते, प्रभावी रूप से भारत के राष्ट्रपति के अधिकार के तहत काम कर रहे हैं। घटना पर प्रकाश डालते हुए इबोबी ने कहा कि राज्यपाल जनता के विरोध के कारण इंफाल हवाई अड्डे से राजभवन तक सात किलोमीटर की यात्रा भी नहीं कर सके और उन्हें हवाई मार्ग से ले जाना पड़ा।

बेंगलुरु ने बनाई शीर्ष-दो में जगह

» आईपीएल 2025: क्वालिफायर-1 में होगा पंजाब से सामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विराट कोहली की अर्धशतकीय और जितेश शर्मा तथा मयंक अग्रवाल की शतकीय साझेदारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ आरसीबी क्वालिफायर-1 में पहुंच गई। अब उसका सामना 29 मई को पंजाब किंग्स से मुल्लांपुर में होगा। मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए लीग चरण के आखिरी मुकाबले में लखनऊ ने ऋषभ पंत की शतकीय पारी के

लखनऊ को आरसीबी ने दी छह विकेट से मात

दम पर तीन विकेट खोकर 227 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट खोकर 230 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह आईपीएल का तीसरा सबसे सफल रन चेज है। वहीं, आरसीबी का सबसे बड़ा रन चेज है। लखनऊ के लिए विलियम ओरुर्के ने दो विकेट झटके जबकि आकाश सिंह और आवेश खान ने एक-एक विकेट हासिल किया। आरसीबी की यह घर से बाहर सातवीं जीत है। इसी के साथ इस टीम ने इतिहास रच दिया है। आरसीबी ऐसा करने वाली आईपीएल की पहली टीम बन गई। सत्र की शुरुआत में आरसीबी ने गत विजेता कोलकाता को उनके घर में हराया था। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स को चेन्नई, मुंबई इंडियंस को मुंबई, राजस्थान रॉयल्स को जयपुर, पंजाब किंग्स को न्यू चंडीगढ़ और दिल्ली कैपिटल्स को दिल्ली में हराया था।

टी20 में 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने विराट कोहली

लखनऊ। आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एलएसजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी20 में किसी एक टीम की तरफ से खेलते हुए 9000 रनों का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। किंग कोहली ने इस मुकाबले में 24 रन बनाते ही टी20 में 9004* रन बना लिए। कोहली ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2008 में आरसीबी के साथ की थी, तब से वह इसी टीम का हिस्सा हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में उनका बल्ला जमकर गरजा और वह 9000 रनों का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इसके साथ ही आईपीएल में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले कोहली और वॉर्नर संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। इन दोनों बल्लेबाजों के नाम आईपीएल में 62 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज था।

जस्टिस वर्मा पर सरकार ला सकती है महाभियोग

» संसद का मानसून सत्र जुलाई के दूसरे पखवाड़े में शुरू होने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्व सीजीआई ने महाभियोग की कार्रवाई करने की सिफारिश की थी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने के विकल्प पर विचार कर रही है। जस्टिस वर्मा को दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में जली हुई नकदी मिलने के बाद उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त जांच समिति ने दोषी ठहराया था। सरकारी सूत्रों ने कहा कि यदि जस्टिस वर्मा स्वयं इस्तीफा नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना एक स्पष्ट विकल्प होगा। संसद का मानसून सत्र जुलाई के दूसरे पखवाड़े में शुरू होने की संभावना है।

जस्टिस वर्मा को उनके आवास से नकदी मिलने की इस घटना के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय वापस भेज दिया गया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई करने की सिफारिश की थी। बता दें समिति ने न्यायाधीश के आवास से आधी जली हुई नकदी की गड्डियां मिलने की जांच की थी। न्यायमूर्ति वर्मा घटना के समय दिल्ली उच्च न्यायालय में थे। बाद में उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेज दिया गया।

घर से कैश मिलने के मामले पर होगी चर्चा

जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा देने से किया था इनकार

सीजेआई खन्ना ने यह पत्र तब भेजा था जब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित आंतरिक जांच समिति ने जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया था, हालांकि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया। सूत्रों ने बताया कि पूर्व सीजेआई खन्ना ने न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की औपचारिक प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

ऐसे लाया जाता है महाभियोग

संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों को प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने होते हैं और लोकसभा में 100 सदस्यों को इसका समर्थन करना होता है। प्रस्ताव दो-तिहाई मतों से पारित होने पर लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति जांच समिति में उच्चतम न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश और एक उच्च न्यायालय के मुख्य जस्टिस को नामित करने के लिए प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखते हैं। सरकार प्रस्ताव में उल्लिखित आरोपों की जांच करने वाली समिति में अपनी ओर से एक "प्रतिष्ठित न्यायविद को नामित करती है। वहीं सरकार चाहती है कि प्रस्ताव को सभी दलों का समर्थन मिले। सरकार प्रस्ताव के मसौदे पर सभी दलों से परामर्श करेगी।

रेखा सरकार के 100 दिन, लोगों ने कहा-धीमी रही विकास रफ्तार

» महिला समृद्धि योजना, फ्री शिक्षा और सिलेंडर जैसे वादे अभी कागजों पर ही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महिलाओं के खाते में अभी नहीं आए 2500 रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्लीवालों की जिंदगी में सहूलियत लाने वाले फैसले लिए हैं लेकिन इनके धरातल पर उतरने का इंतजार है। इनमें से अधिकतर फैसले आधी आबादी से जुड़े हैं जो महिला मुख्यमंत्री होने की वजह से ज्यादा उम्मीद लगाए बैठी है। इनमें महिला समृद्धि योजना, मुफ्त और सस्ता सिलिंडर योजना। बच्चों की मुफ्त शिक्षा समेत अन्य घोषणाएं शामिल हैं। सरकार ने इनमें कुछ योजनाओं को हरी झंडी भी दे दी है लेकिन इनमें से कई फाइलों में एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर घूम रही हैं।

दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा ने गरीब परिवार की महिला को हर माह 2500 रुपये वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। दिल्ली सरकार ने इस योजना को हरी झंडी दे दी है और इसके लिए 5,100 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित कर दिया है लेकिन 100 दिनों में महिलाओं के खाते में पैसा नहीं आया है। गरीब महिला की पेंशन 2500 से 3000 करने और गर्भवती महिलाओं के लिए 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट के लिए भी 210 करोड़ रुपये का बजट आवंटित है लेकिन योजना लागू होने का इंतजार है। भाजपा का बड़ा चुनावी वादा होली और दिवाली पर महिलाओं को मुफ्त गैस सिलिंडर देने का था। होली सिलिंडर की आस में गुजर गई अब दीपावली का इंतजार है। महिलाओं को 500 रुपये में सस्ता सिलिंडर देने का भी वादा भी अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। अधिकारी बताते हैं कि इन योजनाओं से जुड़ी औपचारिकताओं को अभी पूरा किया जा रहा है। जल्द ही इन्हें लागू कर दिया जाएगा।

दिल्ली दंगों में मारे गए लोगों के परिजनों को नौकरी दी गई है : सिरसा

मजिंदर सिंह सिरसा, कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार ने कहा कि दिल्ली सरकार ने रोजगार देने का वादा किया है, जिसके तहत दिल्ली दंगों में मारे गए लोगों के परिजनों को नौकरी दी गई है। 125 परिवारों को नियुक्तियां देने का काम किया गया है, जिनमें से 19 लोग अपनी सेवाएं शुरू कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ने जो भी वादे किये हैं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में उनपर काम किया जा रहा है। प्रदूषण के खिलाफ हम व्यापक कार्ययोजना के साथ काम कर रहे हैं।

पीएम की चुप्पी सरकार की कूटनीतिक विफलता

» कांग्रेस नेता बोलीं - ट्रम्प को झूठा बताने से डर रही केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीजफायर को लेकर कांग्रेस ने फिर मोदी को घेरा

पटना। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर सफाई देने को कहा जिसमें उन्होंने कहा है कि अमेरिका की हस्तक्षेप के चलते भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ था। कांग्रेस की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने बिहार कांग्रेस मुख्यालय में कहा कि प्रधानमंत्री की चुप्पी उनकी सरकार की कूटनीतिक विफलता को दर्शाती है।

श्रीनेत ने सवाल उठाया कि पाहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने साफ कर दिया था कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, हम उसका समर्थन करेंगे, लेकिन जो पीएम अक्सर देश को संबोधित करते हैं, वे ट्रंप के दावे पर कुछ क्यों नहीं कहते? अगर ट्रंप झूठ बोल रहे हैं तो मोदी जी उन्हें फोन करके विरोध क्यों नहीं जताते? उन्होंने कहा कि देश ने इंदिरा गांधी जैसी मजबूत नेता देखी है, जिन्होंने अमेरिका के सातवें बेड़े की धमकी के बावजूद पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की थी और बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। आज की स्थिति यह है कि एक दिवालिया पाकिस्तान को अंतरराष्ट्री य मंच पर भारत के बराबर समझा जा रहा है। ट्रंप पिछले 11 दिनों में कम से कम 9 बार इस कथित मध्यस्थता की बात दोहरा चुके हैं, लेकिन हमारी सरकार चुप है। पीएम मोदी बिहार में रैलियों के लिए समय निकाल सकते हैं, लेकिन पाहलगाम हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में नहीं आते। उन्हें देशभर में घूमने और सेलिब्रिटीज से मिलने का समय है, लेकिन संसद का विशेष सत्र बुलाने से बच रहे हैं।

बिहार चुनाव के बाद नीतीश ही होंगे सीएम : शाहनवाज

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। पूरा एनडीए एकजुट होकर नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा और बिहार विधानसभा चुनाव में एक बार फिर मजबूत जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पूरी तरह स्वस्थ हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर की जा रही सारी बातें अफवाह हैं। शाहनवाज ने कहा कि नीतीश पिछड़ी जातियों के सबसे बड़े नेता हैं। समकालीन राजनीति में पिछड़ी जातियों के लिए सबसे ज्यादा नीतीश ने काम किया है। राजद ने केवल एमवाई समीकरण की बात की, लेकिन अपने परिवार के अलावा किसी को अवसर नहीं दिया। जबकि नीतीश कुमार ने हर जातियों के साथ मुसलमानों को भी आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस समय भाजपा के पास हर पिछड़ी जाति के सबसे बड़े नेता हैं।

पहली बारिश में ही गटर बन गयी मुंबई

» शिवसेना यूबीटी ने लगाये सरकार के खिलाफ पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में पहली बारिश कोई प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि प्रशासनिक अक्षमता का सीधा खुलासा है। जब जनता की प्राथमिकताएं गटर में बहती हैं और सत्ता माइक संभालने में व्यस्त होती है तब पोस्टर भी बोल उठते हैं। मुंबई में पहली बारिश के बाद की स्थितियों को लेकर शिवसेना यूबीटी ने पोस्टर जारी किये हैं जो पूरे भारत में चर्चा का केन्द्र बिंदु बन गये और मुंबई की फडणवीस सरकार जमकर ट्रोल हो रही है।

शिवसेना (यूबीटी) ने मुंबई में भारी बारिश से पैदा हुई अव्यवस्था का जिम्मेदार राज्य सरकार को ठहराया है। इस संबंध में मुंबई की सड़कों पर कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार के कई पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टर्स में लिखा गया है कि उन्होंने मुंबई के लोगों के लिए कुछ भी नहीं किया। पहली बारिश में ही मुंबई के लोगों के पैर गटर के नीचे आ गए। पोस्टर में आशीष शेलार के संबंध में कहा गया कि आप लोगों ने जबरन सत्ता में अपनी जगह बनाई।

पानी-पानी हो गया शहर

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुंबई में भारी बारिश से पैदा हुई अव्यवस्था को राज्य सरकार की विफलता का नतीजा बताया था। उन्होंने कहा था कि सरकार ने मानसून के मद्देनजर कोई काम नहीं किया। अगर सरकार ने थोड़ी सी भी गंभीरता बरती होती, तो निश्चित तौर पर आज इस तरह की स्थिति पैदा नहीं होती। सरकार ने सिर्फ दिखाने के लिए थोड़ा बहुत काम किया। इसी वजह से मुंबई पहली ही बारिश में पानी-पानी हो गई।

यूपी में सात साल से शिक्षक भर्ती न होने से अभ्यर्थियों में आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में शिक्षा सेवा चयन आयोग के दफ्तर पर शिक्षक अभ्यर्थियों ने धरने का ऐलान किया हैद्ध जिसके लिए प्रदेश के अलग अलग हिस्सों से अभ्यर्थियों के पहुंचने का सिलसिला भी जारी है। अभ्यर्थियों का ये धरना नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती के विज्ञापन को सोशल मीडिया से डिलीट करने और भर्ती प्रक्रिया में देरी के विरोध में है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि शिक्षक भर्ती का विज्ञापन सोशल मीडिया पर निकालने के बाद उसे डिलीट कर देना बेरोजगार युवाओं के साथ मजाक है और जबतक सरकार शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं करती तबतक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर धरना जारी है। बीते 7 वर्षों से प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई।

थरूर बीजेपी के सुपर प्रवक्ता : उदित राज

» कांग्रेस नेता बोले - बीजेपी नेताओं की तरह कर रहे बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने पार्टी सांसद शशि थरूर की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें भाजपा का सुपर प्रवक्ता करार दिया और उन पर लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, भारत सरकार ने आतंकवाद विरोधी अपने रुख के लिए समर्थन जुटाने के लिए कई बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को वैश्विक राजधानियों में भेजा, जिसमें से एक प्रमुख प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की सटीक और संतुलित प्रतिक्रिया को समझाने के लिए भेजा गया था।

शशि थरूर के प्रतिनिधिमंडल में भाजपा, झामुमो, टीडीपी और शिवसेना समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। उन्होंने अमेरिका, गुयाना और पनामा जैसे देशों का दौरा किया है, जहां उन्होंने सांसदों, थिंक टैंक, मीडिया और प्रवासी लोगों से बातचीत की और आतंकवाद तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों के खिलाफ एकजुट भारतीय मोर्चा पेश किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता की आलोचना करते हुए उदित राज ने कहा कि भाजपा नेता जो नहीं कह रहे हैं, पीएम मोदी और सरकार के पक्ष में बोल रहे हैं, वह शशि थरूर कर रहे हैं। उन्होंने पिछली सरकारों के योगदान के बारे में शशि थरूर की समझ पर भी सवाल उठाया और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भारतीय सशस्त्र बलों का श्रेय लेने के लिए आलोचना की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।